मॉडर्न आर्ट में मकराना का परचम

इटली की शिल्पकार रिसर्च के लिए मार्बल नगरी आईं, जापान में आयोजित कार्यशाला में हिस्सा लेंगे शहर के शिल्पकार

भास्कर न्यूज मकराना

विश्व में अपना परचम फहरा चुके मकराना संगमरमर के बाद अब मार्बल नगरी के युवा शिल्पकारों ने विदेशों में माडर्न आर्ट के जरिए झंडे गाड़ने शुरू कर दिए हैं। मार्बल से बने आर्ट के विदेशी लोग कायल हैं तथा इस कला को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है। अधिकांश युवा वर्ग के कलाकार अब मार्बल पत्थर से मॉडर्न कलाकृतियां बनाने के ही पेशे में जुट गए हैं।

पूरे भारत देश में अपनी कलाकारी का तहलका मचाने वाले मकराना के शिल्पकारों को अब जापान सरकार की एक कंपनी द्वारा उनके यहां मॉडर्न आर्ट पर आयोजित होने वाली कार्यशाला में शामिल होने का न्यौता मिला। मकराना मार्बल एवं यहां की कलाकारी पर रिसर्च के लिए विदेशियों का रूझान भी मकराना की तरफ हुआ है। मकराना के कर्बला चौक स्थित माडर्न आर्ट स्टूडियो चलाने वाले जहूर इस्लाम ने बताया कि वह अब तक भारत में अनेक जगह मकराना मार्बल से बनी कलाकृतियों की प्रदर्शनियां आयोजित कर चुका है जिसका उन्हें अच्छा प्रतिसाद मिला। ग्वालियर, पूना, बड़ौदा, अहमदाबाद, दिल्ली, बैंगलोर में भी विदेशी आर्टिस्टों के साथ विभिन्न प्रोजेक्ट पर काम कर चुके हैं। उनके द्वारा मार्बल पर बनाई गई कलाकृतियों को काफी पसंद किया जाता है तथा इनकी विदेशों में काफी डिमांड है। शिल्पकार राजू ने बताया कि मॉडर्न आर्ट की यह खासियत होती है कि एक बार बनाई गई कलाकृति दुबारा नहीं बनाई जाती।

मकराना में एक घड़ाई के बाड़े में काम करते हुए शिल्पकार तथा संगमरमर से बनी मॉडर्न आर्ट की कलाकृतियां। -भास्कर

इटली से रिसर्च के लिए आई शिल्पकार सिमोना

शुक्रवार शाम इटली की ख्यातिप्राप्त शिल्पकार सिमोना बोच्ची मकराना आई है। उसने मकराना के मार्बल खनन क्षेत्र, यहां के घड़ाई बाड़ों, मार्बल घिराई की औद्योगिक इकाईयों एवं स्लैब्स के गोदामों का दौरा किया। इस दौरान वह स्थानीय कर्बला चौक में स्थित मॉडर्न आर्ट स्टूडियो में गई एवं वहां पर मार्बल से बनी मॉडर्न आर्ट पद्धति की कलाकृतियों पर रिसर्च की। उसने पूरा दिन शिल्पकारों के साथ मिलकर पत्थर से कलाकृतियां बनाने का काम किया एवं इस पेशे से जुड़े अनुभवों का आदान प्रदान किया।

सिमोना ने बताया कि वह दस साल से शिल्पकला के पेशे से जुड़ी हुई है तथा अब तक छह देशों में दर्जनों प्रदर्शनियां आयोजित करने के अलावा शिल्पकला पर रिसर्च कर चुकी है। मकराना मार्बल पर की गई कलाकारी एवं इससे बनी सुन्दर कलाकृतियों की सराहना करते हुए उसने कहा कि यहां के आर्ट व कारीगरी की सुन्दरता ढूंढे से भी नहीं मिलती। उसने स्वयं को मकराना से काफी प्रभावित होना बताते हुए कहा कि उसने मकराना मार्बल एवं भारत के अन्य क्षेत्रों के पत्थरों पर मॉडर्न कलाकृतियां बनाई है जिनकी नवंबर या दिसंबर 09 में दिल्ली स्थित इटालियन एंबेसी में प्रदर्शनी लगाएगी।

कलाकृति तैयार करतीं सिमोना। -भास्कर

सात सदस्यीय दल जाएगा जापान

जापान की एक सरकारी कंपनी ने मकराना के शिल्पकारों को टोक्यो के सिम्पोजियम में आयोजित होने वाली कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। दल का पूरा खर्च जापानी कंपनी ही वहन करेगी। दल का नेतृत्व कर रहे जहूर ने बताया कि वे नवंबर माह में जापान जाएंगे तथा वहां पर एक माह तक आयोजित होने वाली कार्यशाला में भाग लेकर वहां के शिल्पकारों के साथ आपस में मॉडर्न आर्ट कलाकारी के गुर बांटेंगे। इसके लिए राजू अपने साथ जाने वाले अन्य छह कलाकारों को विशेष रूप से प्रशिक्षित भी कर रहे हैं।

याद किया ताजमहल

सिमोना मूलतः नार्थ इटली की मार्बल सिटी करारा की रहने वाली है तथा बचपन से ही उसका रूझान मॉडर्न आर्ट से जुड़ा हुआ रहा है।

...शेष पेज 8 पर